



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 993]

नई दिल्ली, सोमवार, अगस्त 13, 2007/श्रावण 22, 1929

No. 993]

NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 13, 2007/SRAVANA 22, 1929

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(विदेश व्यापार महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 13 अगस्त, 2007

सं. 20 (आर ई-2007)/2004—2009

का.आ. 1396(अ).—यथासंशोधित विदेश व्यापार नीति (एफटीपी), 2004—2009, के पैराग्राफ 1.3 के साथ पठित विदेश व्यापार (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1992 की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार, विदेश व्यापार नीति, 2004—2009 (19-4-2007 तक अद्यतन) में तत्काल प्रभाव से एतद्वारा निम्नलिखित संशोधन करती है :—

2. विदेश व्यापार नीति 2004—2009 (19-4-2007 तक अद्यतन) के पैरा 1.5 के पहले वाक्य में 'अपरिवर्तनीय साख पत्र' शब्द को 'अपरिवर्तनीय वाणिज्यिक साख पत्र' द्वारा प्रतिस्थापित किया जायेगा।

3. इसे लोकहित में जारी किया जाता है।

[फा. सं. 01/91/180/000629/ए एम 08/पी सी-III]

आर. एस. गुजराल, महानिदेशक, विदेश व्यापार एवं पदेन अपर सचिव

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF FOREIGN TRADE)

NOTIFICATION

New Delhi, the 13th August, 2007

No. 20 (RE-2007)/2004—2009

S.O. 1396(E).—In exercise of the powers conferred by Section 5 of the Foreign Trade (Development and Regulation) Act, 1992 read with paragraph 1.3 of the Foreign Trade Policy (FTP), 2004—2009, as amended, the Central Government hereby makes the following amendments with immediate effect in FTP, 2004—2009 (Updated as on 19-4-2007).

2. The words 'irrevocable letter of credit' in the first sentence of Para 1.5 of Foreign Trade Policy, 2004—2009 (Updated as on 19-4-2007) shall be substituted by the words 'irrevocable commercial letter of credit'.

3. This issues in public interest.

[F. No. 01/91/180/000629/AM 08/PC-III]

R. S. GUJRAL, Director General of Foreign Trade & ex officio Addl. Secy.